EI SAMAY ENTERS MULTILINGUAL DIGITAL NEWS

Ei Samay has broadened its digital presence with the launch of two multilingual platforms, News Ei Samay (English) and Samachar Ei Samay (Hindi). With this expansion, the Times Group brand is positioning itself as a more inclusive, national digital news player beyond its original Bengali-language footprint.

The new platforms cater to young professionals, metro audiences and digital-first readers who seek quick, credible and visually rich storytelling. Both websites will focus on high-impact journalism, explanatory stories, video-led formats and interactive news experiences designed for mobile.

Mentor Sanjay Basu described the rollout as a "new era of tech-driven digital journalism" that blends Ei Samay's editorial strength with modern digital publishing tools. The operations are led by Chief Editor Hirak Bandyopadhyay, supported by dedicated editorial teams, 17 journalists for English and 15 for Hindi, ensuring each platform maintains its own voice, specialisation and news agenda.

PANEL TO REVIEW FAKE-NEWS OVERSIGHT

The Parliamentary Committee on IT will convene on 24 November to examine proposals aimed at strengthening oversight of online misinformation. A key recommendation under consideration is extending the Press Council of India's mandate to cover digital news creators, influencers, social-media publishers and independent online platforms, a segment currently outside formal regulation.

Officials from the PCI, Ministry of Information &

विभिन्न भाषाओं वाले डिजिटल न्यूज में प्रवेश किया ईआई समय ने

ईआई समय ने दो कई भाषाओं वाले प्लेटफॉर्म, न्यूज ई समय (इंग्लिश) और समाचार ई समय (हिंदी) लॉन्च करके अपनी डिजिटल मौजूदगी को बढ़ाया है। इस बढ़ोतरी के साथ टाइम्स ग्रुप ब्रांड अपनी मूल बंगाली भाषा की मौजूदगी से आगे बढ़कर खुद को एक ज्यादा सबको साथ लेकर चलने वाले नेशनल डिजिटल प्लेयर के तौर पर बना रहा है।

नये प्लेटफॉर्म युवा पेशवरों, मेट्रो दर्शकों और डिजिटल फर्स्ट रीडर्स के लिए हैं, जो तेज, भरोसेमंद और विजुअली रीच स्टोरीटेलिंग चाहते हैं। दोनों वेबसाइट्स हाई-इम्पैक्ट जर्नलिज्म, एक्सप्लेनेटरी स्टोरीज, वीडियो लेड फॉरमेट और मोबाइल के लिए डिजाइन किय गये इंटरैक्टिव न्यूज एक्सपीरियंस पर फोकस करेंगी।

मेंटर संजय बसु ने इस रोलआउट को 'टेक-ड्रिवन डिजिटल जर्नलिज्म का नया दौर' बताया, जो ईआई-समय की संपादकीय ताकत को आधुनिक डिजिटल प्रकाशन टूल्स के साथ मिलाता है। ऑपरेशन को चीफ एडिटर हीरक बंद्योपाध्याय लीड कर रहे हैं, जिन्हें डेडिकेटेड एडिटोरियल टीमों का सपोर्ट है, जिसमें इंग्लिश के लिए **17** और हिंदी के लिए **15** जर्नलिस्ट हैं, जो यह पक्का करते हैं कि हर प्लेटफॉर्म अपनी आवाज, स्पेशलाइजेशन और न्यूज एजेंडा बनाये रखे।

फेक न्यूज निगरानी की समीक्षा करने के लिए पैनल

आईटी पर संसदीय समिति **24** नवंबर को ऑनलाइन फेक न्यूज की निगरानी को नजबूत करने के मकसद से प्रस्तावों की जांच करने के लिए बैठक की। एक मुख्य सिफारिश जिस पर विचार किया जा रहा है, वह है प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के अधिकार क्षेत्र को डिजिटल न्यूज क्रिएटर्स, इंफ्लुएंसर, सोशल मीडिया प्रकाशक और स्वतंत्र ऑन लाइन प्लेटफॉर्म को कवर करने के लिए बढ़ाना, यह एक ऐसा सेगमेंट है जो अभी औपचारिक रेगुलेशन से बहार है।

पीसीआई, सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) और

Broadcasting (MIB) and MeitY are expected to brief MPs on the legal, operational and enforcement implications. The committee aims to identify gaps in the current framework and explore a unified approach to accountability, fact-checking and dispute redressal in the digital ecosystem.

MeitY के अधिकारियों को उम्मीद है कि वे सांसदों को कानूनी, संचालन और लागू करने असर के बारे में जानकारी देंगे। कमिटी का मकसद मौजूदा फ्रेमवर्क में कमियों की पहचान करना और डिजिटल इकोसिस्टम में जवाबदेही, फेक्ट चेकिंग और विवाद सुलझाने के लिए एक जैसा तरीका खोजना है।

OTT PLAYERS FLAG ACCESSIBILITY MANDATE

Leading OTT services, Netflix, Amazon Prime Video, SonyLIV, Disney+ Hotstar and ZEE5, have raised concerns over the MIB's draft guidelines on accessibility for persons with disabilities. The rules mandate that all new content incorporate at least one accessibility feature such as closed captions (CC), audio descriptions (AD) or Indian Sign Language (ISL).

Platforms have stated that the proposal is "impractical in its current form," citing challenges in multi-language production pipelines, tight turnaround schedules, and the resource-intensive nature of AD and ISL localisation. They have requested more flexible timelines and a phased roadmap to ensure both compliance and creative feasibility.

ओटीटी प्लेयर्स ने एक्सेसिबिलिटी मैंडट पर सवाल उठाये

बड़ी ओटीटी सेवायें नेटफ्लिस्क, अमेजन प्राइम वीडियो, सोनी लिव, डिज्नी प्लस हॉटस्टार और जी5 ने दिव्यांग लोगों के लिए एक्सेसिबिलिटी पर एमआईबी की प्रारूप दिशानिर्देश पर चिंता जतायी है। नियमों के मुताबिक सभी नये कंटेंट में कम से कम एक एक्सेसिबिलिटी फीचर होना चाहिए, जैसे क्लोज्ड कैप्शन (सीसी), ऑडियो डिस्क्रिप्शन (एडी) या भारतीय साइन लैंग्वेज (आईएसएल)।

प्लेटफॉर्म्स ने कहा है कि यह प्रपोजल 'अभी के रूप में प्रैक्टिकल नहीं है' उन्होंने मल्टी लैंग्वेज प्रोडक्शन पाइपलाइन, टाइट टर्न अराउंड शेडयूल और एडी और आईएसएल लोकलाइजेशन के रिर्सोस-इंटेंसिव नेचर में चुनौतियों का हवाला दिया है। उन्होंने कंप्लायंस और क्रिएटिव फीजिबिलिटी दोनों पक्का करने के लिए ज्यादा फ्लेक्सिबल टाइमलाइन और एक फेज्ड रोडमैप की रिक्वेस्ट की है।

SONY LIV EXPANDS GLOBALLY VIA YOUTUBE

Sony LIV has strengthened its international footprint by launching as a standalone subscription channel on YouTube TV and YouTube Primetime Channels across the US, UK, France, Germany and Australia. This integration allows users to subscribe and stream Sony LIV's premium catalogue, including originals, sports and Indian entertainment, directly within YouTube's interface, simplifying billing and access.

The global push aligns with Sony LIV's strategy to target the Indian diaspora and broaden its overseas digital audience base.■

यूट्यूब की सहायता से पूरी दुनियाभर में विस्तार किया सोनीलिव ने

सोनीलिव ने यूएस, यूके, फ्रांस, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया में यूट्यूब टीवी और यूट्यूब प्राइमटाइम चैनल्स पर एक स्टैंडअलोन सब्सक्रिप्शन चैनल के तौर पर लॉन्च करके अपनी अंतरराष्ट्रीय पहचान मजबूत की है। इस एकीकरण से यूजर्स सोनीलिव के प्रीमियम कैटलॉग को सब्सक्राइब और स्ट्रीम कर सकते हैं, जिसमें ऑरिजिनल, खेल और भारतीय मनोरंजन शामिल हैं, सीधे यूट्यूब के इंटरफेस में, जिससे बिलिंग और एक्सेस आसान हो जाता है।

यह ग्लोबल पुश सोनी लिव की भारतीय डायस्पोरा को टारगेट करने और अपने ओवरसीज डिजिटल दर्शक आधार को बढ़ाने की रणनीति से मैच करता है।■